# हलाल कमाई

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

## 1] हाथ की कमाई की फज़ीलत

इस रिवायत मे मोमिनों को भीक माँगने और दूसरों के सामने हाथ फैलाने से रोकना हे और इस बात की तालीम देनी हे की आदमी को अपनी रोझी खुद कमानी चाहिये किसी शख्स पर बोझ बन कर जिन्दगी नहीं गुजारनी चाहिये.

_बुखारी; अन मिक्दाम बिन मअदी करब रदी, रिवायत का खुलासा.

## 2] दुआ की कुबूलियत में हलाल रिज़क का असर.

अल्लाह सिर्फ वही सदका कुबूल करता हे जो पाक और जायज कमाई का हो हराम माल अगर उसके रस्ते में खर्च किया जाये तो वो उसे कुबूल नहीं करता दूसरी बात ये फरमाई की जिस आदमी की कमाई हराम हो नाजायज तरीके से हासिल की गयी हो तो उसकी दुआ अल्लाह

कुबूल नहीं करता.

_मुस्लिम; अन अबू हुरैरा रदी, रिवायत का खुलासा.

## 3] दुआ की कुबूलियत में हलाल रिज़्क का असर.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की कोई बन्दा हराम माल खाये फिर उसमे से खुदा के रास्ते मे सदका करे तो ये सदका उसकी तरफ से कुबूल नहीं किया जाएगा और अगर अपने आप पर और अपने घर वालों पर खर्च करेगा तो बरकत से खाली होगा, अगर वो उसको छोड कर मरा तो वो उसके जहन्नम के सफर मे रास्ते का सामान बनेगा. अल्लाह बुराई को बुराई के जरिये नहीं मिटाता हे बल्कि बुरे अमल को अच्छे अमल से मिटाता हे, खबीस खबीस को नहीं मिटाता हे.

_बुखारी; अबू हुरैरा रदी, रिवायत का खुलासा.

## 4] हलाल व हराम से लापरवाही

हुजूरﷺ ने फरमाया लोगों पर एक ऐसा जमाना आयेगा जिस मे आदमी इस बात की परवाह नहीं करेगा की उसने जो माल कमाया हे वो हलाल हे या हराम.

_मिश्कात अन अब्दुल्लाह बिन मसऊद रदी रिवायत का खुलासा

## 5] अपने काम के बारे में शक होना.

एक तस्वीर बनाने वाले को अपने काम के बारे में शक हो गया इसलिए उसने आकर हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी से इसके मुताल्लिक पूछा ये उसके मोमिन होने की निशानी हे अगर उसके दिल में अल्लाह का डर न होता अगर उसे पाक और जाइज कमाई की फिक्र न होती तो उनके पास जाता ही क्यों जिनको आखिरत में पकड का डर नहीं होता वो हलाल और हराम की कब परवाह करते हे?

_बुखारी; अन साद बिन अबुल हसनतबैन; रिवायत का खुलासा.